



सत्यमेव जयते

::आयुक्त (अपील-II) का कार्यालय,केंद्रीय उत्पाद

शुल्क::

O/O THE COMMISSIONER (APPEALS-II), CENTRAL EXCISE,
7वीं मंजिल, केंद्रीय उत्पाद शुल्क भवन, 7th Floor, Central Excise
पोलिटेकनिक के पास, Building,
आम्बवाडी, अहमदाबाद : 380015 Near Polytechnic,
Ahmedabad:380015



रजिस्टर डाक ए.डी.द्वारा

क फाइल संख्या (File No.): V2(30)99/Ahd-II/Appeals-II/ 2015-16 / 2447 to 2451
स्थगन आवेदन संख्या(Stay App. No.):

ख अपील आदेश संख्या (Order-In-Appeal No.): AHM-EXCUS-002-APP-10-17-18
दिनांक (Date): 29.05.2017 जारी करने की तारीख (Date of issue): 06/06/17

श्री उमा शंकर, आयुक्त (अपील-II) द्वारा पारित
Passed by Shri Uma Shanker, Commissioner (Appeals-II)

ग _____ आयुक्त, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, (मंडल-IV), अहमदाबाद- II, आयुक्तालय द्वारा जारी
मूल आदेश सं _____ दिनांक _____ से सृजित
Arising out of Order-In-Original No. 4842/Rebate/2015 Dated: 24/11/2015
issued by: Assistant Commissioner Central Excise (Div-IV), Ahmedabad-II

घ अपीलकर्ता/प्रतिवादी का नाम एवम पता (Name & Address of the Appellant/Respondent)

M/s Stardom Pharmaceuticals Pvt. Ltd

कोई व्यक्ति इस अपील आदेश से असंतोष अनुभव करता है तो वह इस आदेश के प्रति यथास्थिति नीचे बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील या पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

Any person an aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal or revision application, as the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way:

भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन :
Revision application to Government of India:

(1) (क) (i) केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1994 की धरा अतत नीचे बताए गए मामलों के बारे में पूर्वोक्त धारा को उप-धारा के प्रथम परंतुक के अंतर्गत पुनरीक्षण आवेदन अधीन सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 को की जानी चाहिए।

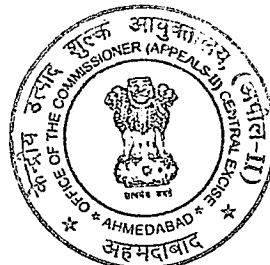
A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001, under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid:

(ii) यदि माल की हानि के मामले में जब हानि कारखाने से किसी भंडारगार या अन्य कारखाने में या किसी भंडारगार से दूसरे भंडारगार में माल ले जाते हुए मार्ग में, या किसी भंडारगार या भंडार में चाहे वह किसी कारखाने में या किसी भंडारगार में हो माल की प्रक्रिया के दौरान हुई हो।

In case of any loss of goods where the loss occur in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse

(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामले में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित है।

A. File



Cont...2

- (c) In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

अंतिम उत्पादन की उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ड्यूटी क्रेडिट मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो इस धारा एवं नियम के मुताबिक आयुक्त, अपील के द्वारा पारित वो समय पर या बाद में वित्त अधिनियम (नं.2) 1998 धारा 109 द्वारा नियुक्त किए गए हो।

- (d) Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

- (1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रपत्र संख्या इए-8 में दो प्रतियों में, प्रेषित आदेश के प्रति आदेश प्रेषित दिनांक से तीन मास के भीतर मूल-आदेश एवं अपील आदेश की दो-दो प्रतियों के साथ उचित आवेदन किया जाना चाहिए। उसके साथ खाता इ. का मुख्यशीर्ष के अंतर्गत धारा 35-इ में निर्धारित फी के भुगतान के सबूत के साथ टीआर-6 चालान की प्रति भी होनी चाहिए।

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

- (2) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- फीस भुगतान की जाए और जहाँ संलग्न रकम एक लाख से ज्यादा हो तो 1000/- की फीस भुगतान की जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील:-
Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

- (1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-बी/35-इ के अंतर्गत:-

Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

- (क) वर्गीकरण मूल्यांकन से संबंधित सभी मामले सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठिका वेस्ट ब्लॉक नं. 3. आर. के. पुरम, नई दिल्ली को एवं

- (a) the special bench of Custom, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No.2, R.K. Puram, New Delhi-1 in all matters relating to classification valuation and.

- (ख) उक्तलिखित परिच्छेद 2 (1) क में बताए अनुसार के अलावा की अपील. अपीलों के मामले में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, अहमदाबाद में ओ-20, न्यू मैटल हॉस्पिटल कम्पाउण्ड, मेघानी नगर, अहमदाबाद-380016.

- (b) To the west regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at O-20, New Metal Hospital Compound, Meghani Nagar, Ahmedabad : 380 016. in case of appeals other than as mentioned in para-2(i) (a) above.

- (2) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 की धारा 6 के अंतर्गत प्रपत्र इए-3 में निर्धारित किए अनुसार अपीलीय न्यायाधिकरणों की गई अपील के विरुद्ध अपील किए गए आदेश की चार प्रतियाँ सहित जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपर 5 लाख या उससे कम है वहां रूपर 1000/- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपर 5 लाख या 50 लाख तक हो तो रूपर 5000/- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग और लगाया गया जुर्माना रूपर 50 लाख या उससे ज्यादा है वहां रूपर 10000/- फीस भेजनी होगी। की फीस सहायक रजिस्टार के नाम



रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में संबंध की जाये। यह ड्राफ्ट उस स्थान के किसी नामित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की शाखा का हो जहाँ उक्त न्यायाधिकरण की पीठ स्थित है।

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 as prescribed under Rule 6 of Central Excise(Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against (one which at least should be accompanied by a fee of Rs.1,000/-, Rs.5,000/- and Rs.10,000/- where amount of duty / penalty / demand / refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asstt. Registrar of a branch of any nominate public sector bank of the place where the bench of any nominate public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated.

- (3) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश होता है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए फीस का भुगतान उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए इस तथ्य के होते हुए भी कि लिखा पढी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs.100/- for each.

- (4) न्यायालय शुल्क अधिनियम 1970 यथा संशोधित की अनुसूची-1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार उक्त आवेदन या मूल आदेश यथास्थिति निर्णयन प्राधिकारी के आदेश में से प्रत्येक की एक प्रति पर रु.6.50 पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authority shall a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under scheduled-I item of the court fee Act, 1975 as amended.

- (5) इन ओर संबंधित मामलों को नियंत्रण करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जो सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention is invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

- (6) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट), के प्रति अपील के मामले में कर्तव्य मांग (Demand) एवं दंड (Penalty) का 10% पूर्व जमा करना अनिवार्य है। हालांकि, अधिकतम पूर्व जमा 10 करोड़ रुपए है। (Section 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर के अंतर्गत, शामिल होगा "कर्तव्य की मांग" (Duty Demanded) -

- (i) (Section) खंड 11D के तहत निर्धारित राशि;
- (ii) लिया गलत सेनवैट क्रेडिट की राशि;
- (iii) सेनवैट क्रेडिट नियमों के नियम 6 के तहत देय राशि.

⇒ यह पूर्व जमा 'लंबित अपील' में पहले पूर्व जमा की तुलना में, अपील दाखिल करने के लिए पूर्व शर्त बना दिया गया है।

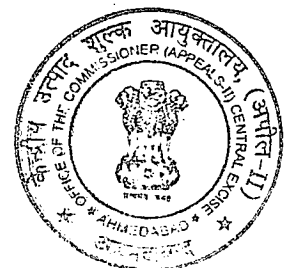
For an appeal to be filed before the CESTAT, 10% of the Duty & Penalty confirmed by the Appellate Commissioner would have to be pre-deposited. It may be noted that the pre-deposit is a mandatory condition for filing appeal before CESTAT. (Section 35 C (2A) and 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

इस सन्दर्भ में इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड विवादित हो तो माँग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute."



ORDER IN APPEAL

The subject appeal is filed by M/s Stardom Pharmaceuticals Pvt.Ltd.; FF-10, Rudra Plaza, Judges Bungalow Road, Ahmedabad- 380054 (hereinafter referred to as 'the appellant') against the Order in Original No.4842/rebate/2015 dated 24-11-15 (hereinafter referred to as 'the impugned order') passed by the Assistant Commissioner, Central Excise, Division-IV, Ahmedabad-II (hereinafter referred to as 'the adjudicating authority').

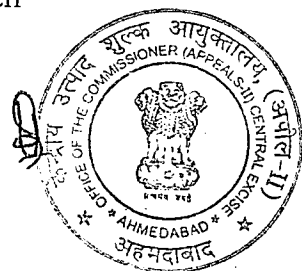
2. The facts in brief of the case is The appellant being the merchant exporter, had filed rebate claim of Rs.1,53,832/- for duty paid on the exported goods. The appellant had purchased the export goods on payment of duty from M/s Leamak Health Care Pvt. Ltd, Matoda, Ahmedabad.The appellant had filed rebate claim along with requisite documents in original. ARE-1 (Application for removal of excisable goods) copy is not filed along with the rebate claim. Show Cause Notice was issued as to why the claim should not be rejected .Vide above Order rejected the refund claim.

3. Being aggrieved by the impugned order, the appellant filed present appeal on the following main grounds:

That the impugned Order fails to decide the case on merits on the basis of documents available on record. The benefit of rebate cannot be denied on mere procedural or technical grounds. The appellant place reliance on the following judicial pronouncements 1.CCE Nagpur, reported in 2006 (200) ELT 175 (G01)) 2 BRAHMOS AERO SPACE PVT. LTD. v. Commr. Of Customs, Ex. & S.T., Hyderabad reported at 2016 (342)E.L.T.127(Tri.-Hyd.

That the identity of the exported goods is established from various export documents i.e., Shipping Bill, Bill of lading, Export Invoice, Excise Invoice, Packing list etc. the rebate ought not to have been rejected. In support of the above, they rely upon the following decisions of: 1. Raj Petro Specialities Vs UOI reported at 2017 (345) E.L.T. 496 (Guj.) 2. U.M Cables Ltd. Vs. UOI reported at 2013(293)E.L.T.641(Bom.) 3. Order No. 478-480109-CX of the GOI in the Matter Of M/S. Prananta Foods, Ahmedabad 4. Order-In-Appeal No.AHM-EXCUS-001-APP-048-2014-15 dated 21/08/2014 in the matter of Param Foods .

4. Personal hearing was granted on 22-3-17. Shri Mukesh Matreja, Consultant attended on behalf of the appellant. He requested to consider the submission made in their grounds of appeal and written submission made on 22-3-2017 with copies of various decisions. I have carefully gone through all case records placed before me in the form of Show Cause Notice, the impugned order and written submissions made in GOA. I find that, the rebate of excise duties related



to export are covered under Rule 18 of Central excise Rules, 2002 read with Notification No.19/2004- Customs (N.T.) dated 06.09.2004 and wherein procedure and relevant documents required for the rebate claim have been described.

5. Further, I find that, the rebate claim filed by the appellant with the adjudicating authority is treated as incomplete as the **concerned ARE-1 original Copy not filed by them** along with the rebate claim. As the appellant failed to submit the relevant ARE-1, the said rebate claim is rejected. Further in absence of filing of ARE-1, he is not found as followed the procedures and conditions as specified in the Notification No.19/2004-CE (NT) dated 6.9.2004, issued under Rule 18 of the Central Excise Rules, 2002.

6. I find that, ARE-1 (Application for removal of excisable goods) original Copy is not filed along with the rebate claim. I refer to the Paragraph 8.1 , 8.2, 8.3 of Chapter 8 Export under claim for rebate of CBEC's Central Excise Manual, which is reproduced below:

"8.1 The rebate claim can be sanctioned by any of the following officers of Central Excise:- Deputy/Assistant Commissioner of Central Excise having jurisdiction over the factory of production of export goods or the warehouse; or Maritime Commissioner.

8.2 It shall be essential for the exporter to indicate on the A.R.E. 1 at the time of removal of export goods the office and its complete address with which they intend to file claim of rebate.

8.3. The following documents shall be required for filing claim of rebate.

(i) A request on the letterhead of the exporter containing claim of rebate, A.R.E.I numbers and dates, corresponding invoice numbers and dates amount of rebate on each A.R.E.1 and its calculations,

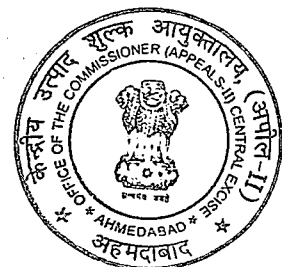
(ii) **Original copy of the A.R.E. 1**

(iii) Invoice issued under Rule 11,

(iv) Self attested copy of shipping bill, and

(v) Self attested copy of Bill of Lading,

[vi] Disclaimer certificate, in case where claimant is other than exporter." Further, Paragraph 8.4 of Part I of Chapter 8 Export under claim for rebate of CBEC's Excise Manual of Supplementary Instruction 2005 is reproduced below:



"8.4 After satisfying himself that the goods cleared for export under the relevant A.R.E.1 applications..... and a reasoned order shall be issued."

7. It is apparent from the above said provisions that **original copy of A.R.E.1** is an essential part of the documents for rebate claim and on the basis of the information given by the manufacturer/exporter as certified by the jurisdictional Range Superintendent in the A.R.E.1, the admissibility of claim can be decided by the sanctioning authority. It is very clear from the Notification No. 19/2004-CE (NT) dated 6.9.2014, that the condition of exporting of the excisable goods, after payment of duty, under the cover of A.R.E.1, directly from a factory or warehouse, is mandatory. The appellant have failed to submit relevant document. However, from the O-I-O,I find that effective 3 P.H opportunities have not been given to the appellant. I find P.H was fixed on 19-10-15 or 20-10-15 and again on 3-11-15 or 4-11-15 for which letter was dispatched on 27-10-15, which did not allow sufficient time to appellant. This is clear violation of natural justice. In view of this, I remand the matter back to original authority to decide the case afresh after allowing the opportunity of P.H.

8. In view of the foregoing discussion and findings, I remand the matter back to original authority to decide the case afresh after allowing the opportunity of P.H.to the appellant.

9. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।

9.. The appeal filed by the appellant stand disposed off in above terms.

उमा शंकर

(उमा शंकर)

आयुक्त (अपील्स II)

Attested

[Handwritten Signature]

[K.K.Parmar)

Superintendent (Appeals-II)
Central Excise, Ahmedabad.

By Regd. Post A. D

M/s. Stardom Pharmaceuticals Pvt.Ltd.;

FF-10, Rudra Plaza,

Judges Bungalow Road,

Ahmedabad- 380054.

Copy to :

1. The Chief Commissioner, Central Excise, Ahmedabad.
2. The Commissioner, Central Excise, Ahmedabad-II.
3. The Asstt. Commissioner, Central Excise, Divi-IV, Ahmedabad-II
4. The Asstt. Commissioner (Systems), Central Excise, Ahmedabad-II.
5. Guard file.
5. PA file.

